प्रेस-विज्ञप्ति

माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल के दिशा-निर्देश एवं दीव समाहर्ता की अध्यक्षता में

दीव के साउदवाड़ी में जल-शक्ति अभियान के तहत कृषि मेला एवं किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दीव सितंबर 03, 2019: संघ प्रदेश दमण एवं दीव के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल जी के कुशल मार्गदर्शन में दीव जिला प्रशासन के कृषि विभाग एवं कोडिनार कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा साउदवाड़ी पंचायत में जल-शक्ति अभियान-2019 के तहत कृषि मेला एवं किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता दीव जिला समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय़, जलशक्ति अभियान के लिए केन्द्र सरकार की नोडल अधिकारी श्रीमती अलका एन. अरोड़ा और उप-समाहर्ता श्री हरमिंदर सिंह का पुष्पगुच्छ से स्वागत के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में डॉ. कासिम सुल्तान, श्री गोपाल जादव, डॉ. अजय शर्मा, श्री अंतर्यामी परिड़ा, श्री मनोज कामलिया, श्री दिलावर मंसूरी, श्री हितेन बामणिया, साउदवाडी सरपंच दीवालीबेन रतिलाल एवं अन्य कार्यालय प्रमुख, आमलोग, किसान बंधु आदि उपस्थित हुए।

कार्यक्रम के आरंभ में कोडिनार कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. जितेन्द्र सिंह के व्यक्तव्यों से हुआ। डॉ. जितेन्द्र ने जल सरंक्षण और जल संचयन के मुद्दे को आज के दौर में अहम बताते हुए कहा कि अब वक्त आ गया है कि सभी मिलकर जल संरक्षण को गंभीरता से लें। अगर अब भी हम नहीं संभले और जल संरक्षण के मुद्दे पर गंभीर नहीं हुए तो वर्तमान के साथ-साथ भविष्य भी खतरे से खाली नहीं है। उन्होंने इस कार्यक्रम में किसानों को भी इस मुहिम से जुड़ने की अपील की।

कार्यक्रम में माननीया समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने लोगों को इस दिन की बधाई देते हुए कहा कि हमें गर्व महसूस करना चाहिए कि आज इस मौके पर हम शामिल हैं। यह एक सामान्य अवसर नहीं, अपितु वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ी के लिए भी तैयार होनेवाले कार्यक्रम की रूपरेखा का हम हिस्सा बनने जा रहे हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के कैपटाउन का उल्लेख करते हुए कहा कि इस शहर को 'डे-जीरो' घोषित किया गया है क्योंकि यहां पीने के पानी का एक भी स्रोत मौजूद नहीं है। इसी तरह भारत के चैन्नई में भी लोगों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस मसले को अति गंभीरता से लेते हुए इसके निदान हेतु एक टीम का गठन किया है। इसके अनुसरण में एक टीम दीव में भी बनायी गई है और इसी टीम की अगुवाई में हम इस कार्यक्रम के संचालन एवं आयोजन हेतु एकत्रित हुए हैं। जल सरंक्षण को हमें दैनिक क्रिया-कलापों में डालना चाहिए। हमें मुंह धोते समय, बर्तन एवं कपड़े साफ करने के दौरान जल की बचत करना चाहिए

तभी हम आनेवाले कल को कुछ दे पायेंगे। उन्होंने दीव जिले को इस मुहीम में शामिल किये जाने को एक उपलब्धि बताया और कहा कि हम मिलकर इस टास्क को पूरा करेंगे।

जल शक्ति अभियान के तहत केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी श्रीमती अल्का अरोड़ा ने किसानों की उपस्थिति को इस कार्यक्रम की सफलता का आधार बताया। उन्होंने बताया कि पूरे भारत के 256 जिलों में आज इस कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है, जिसमें दीव को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि हम आज हैं कल चले जाएंगे, मगर जल के संरक्षण का कार्य जारी रहना चाहिए। पानी और पर्यावरण जीवन के लिए नितांत आवश्यक है। वातावरण की सुरक्षा तभी मुमकिन है जब हम जल का संरक्षण करें और इसके लिए औरों को भी प्रेरित करें। उन्होंने सभी को मनोयोग के साथ इस मुहिम में शामिल होने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के जरिए जल संचयन एवं संरक्षण पर एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इसमें लोगों और किसानों को जल संरक्षण एवं संचयन की विधि को समझाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के अंत में समाहर्ता, नोडल अधिकारी और उप-समाहर्ता के कर-कमलों से किसानों को रोपण हेतु वृक्ष वितरित किये गये। कार्यक्रम का अंत उप-सरपंच श्री शंकर भगवान ने धन्यवाद ज्ञापित करके किया।